

रोल नं.

--	--	--	--	--	--	--

Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 10 + 1 मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 17 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains 10 printed pages and 1 Map.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 17 questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

Time allowed : 3 hours

Maximum Marks : 80

सामान्य निर्देश :

- (i) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं ।
- (ii) प्रश्न संख्या 1 से 3 दो अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।
- (iii) प्रश्न संख्या 4 से 9 चार अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए । विद्यार्थियों को इस खण्ड से केवल पाँच प्रश्नों को हल करना चाहिए ।
- (iv) प्रश्न संख्या 10 मूल्य आधारित प्रश्न है और अनिवार्य है, यह प्रश्न भी चार अंक का है ।
- (v) प्रश्न संख्या 11 से 13 आठ अंकों वाले हैं । इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 350 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।
- (vi) प्रश्न संख्या 14 से 16 स्रोत आधारित प्रश्न हैं । इनमें कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है ।
- (vii) प्रश्न संख्या 17 मानचित्र सम्बन्धी है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्वपूर्ण मदों को दर्शाना शामिल है । मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए ।

General Instructions :

- (i) Answer **all** the questions. Some questions have internal choice. Marks are indicated against each question.
- (ii) Answers to questions no. 1 to 3 carrying 2 marks should not exceed 30 words each.
- (iii) Answers to questions no. 4 to 9 carrying 4 marks should not exceed 100 words each. Students should attempt only **five** questions in this section.
- (iv) Question no. 10 (for 4 marks) is a value based question and **compulsory**.
- (v) Answers to questions no. 11 to 13 carrying 8 marks should not exceed 350 words each.
- (vi) Questions no. 14 to 16 are source based questions and have no internal choice.
- (vii) Question no. 17 is a Map question and includes identification and location of significant test items. Attach the map with the answer-book.

खण्ड क
PART A

निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2×3=6

Answer **all** the following questions :

1. “प्रारम्भिक समाजों में 600 ई.पू. से 600 ई. तक, राजनीतिक सत्ता या राजत्व का उपयोग हर वह व्यक्ति कर सकता था, जो समर्थन और संसाधन जुटा सके।” स्पष्ट कीजिए। 2
“In the early societies from c. 600 BCE to 600 CE, the political power or kingship was open to anyone who could muster support and resources.” Explain.
2. इस्लाम की प्रारम्भिक सदियों में सूफीवाद के विकास की परख कीजिए। 2
Examine the growth of Sufism during the early centuries of Islam.
3. अमेरिका के गृह युद्ध का ब्रिटेन को कपास के निर्यात पर क्या प्रभाव पड़ा ? 2
What was the impact of American Civil War on the export of cotton to Britain ?

खण्ड ख
PART B
अनुभाग I
SECTION I

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

4×5=20

Answer any **five** of the following questions :

4. साहूकारों, ज़मींदारों और औपनिवेशिक राज्य के विरुद्ध सन्थाल विद्रोह के कारणों की व्याख्या कीजिए। 4
Explain the causes for Santhal rebellion against money lenders, zamindars and the Colonial State.
5. “महाभारत का ग्रंथ के रूप में विश्लेषण करते समय इतिहासकार अनेक पहलुओं पर विचार करते हैं।” स्पष्ट कीजिए। 4
“Historians consider several elements when they analyse the Mahabharata as a text.” Explain.
6. कृष्णदेव राय के शासन काल में विजयनगर साम्राज्य के विस्तार और दृढ़ीकरण को स्पष्ट कीजिए। 4
Explain the expansion and consolidation of Vijayanagara empire under Krishnadeva Raya’s rule.

7. “छठी से चौथी शताब्दी ई.पू. के बीच मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद बन गया ।” इस कथन को प्रमाणित कीजिए । 4
“Magadha became the most powerful Mahajanapada between sixth and fourth centuries BCE.” Substantiate the statement.
8. मुगल साम्राज्य में शाही परिवार की जटिल संस्था की जाँच कीजिए । 4
Examine the complex institution of the Imperial Household of the Mughal empire.
9. दिसम्बर, 1929 में लाहौर में हुए काँग्रेस अधिवेशन के महत्त्व की परख कीजिए । 4
Examine the significance of the Congress session held in December, 1929 at Lahore.

अनुभाग II

SECTION II

मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य)

Value Based Question (Compulsory)

10. “विद्रोह के नेताओं को ऐसे नायकों के रूप में पेश किया जाता था जो देश को रणस्थल की तरफ ले जा रहे हैं । उन्हें लोगों को दमनकारी साम्राज्यवादी शासन के खिलाफ उत्तेजित करते हुए चित्रित किया जाता था । एक हाथ में तलवार और दूसरे हाथ में घोड़े की रास थामे अपनी मातृभूमि की मुक्ति के लिए लड़ाई लड़ने वाली रानी झाँसी के शौर्य का गौरवगान करते हुए कविताएँ लिखी गईं । रानी झाँसी को एक ऐसी मर्दाना शख्सियत के रूप में चित्रित किया जाता था जो दुश्मनों का पीछा करते हुए और ब्रिटिश सिपाहियों को मौत की नींद सुलाते हुए आगे बढ़ रही है ।”

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़िए और उन मूल्यों को उजागर कीजिए, जिन्हें रानी झाँसी ने प्रोत्साहन दिया । 4

“The leaders of the revolt were the heroes leading the country into battle, rousing the people to righteous indignation against oppressive imperial rule. Heroic poems were written about the valour of the Rani of Jhansi, who, with a sword in one hand and the reins of her horse in the other, fought for the freedom of her motherland. Rani of Jhansi was represented as a masculine figure chasing the enemy, slaying British soldiers and valiantly fighting till her last.”

Read the above passage and highlight the values upheld by the Rani of Jhansi.

खण्ड ग

PART C

दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न

Long Answer Questions

8×3=24

11. “हड़प्पावासी शिल्प उत्पादन हेतु माल प्राप्त करने के लिए विभिन्न तरीके अपनाते थे।” इस कथन के संदर्भ में शिल्प उत्पादन के लिए कच्चा माल प्राप्त करने के तरीकों को स्पष्ट कीजिए।

8

अथवा

“हड़प्पा सभ्यता का सबसे अनूठा पहलू शहरी केन्द्रों का विकास था।” स्पष्ट कीजिए।
“The Harappans procured materials for craft production in various ways.” In the light of this statement, explain the strategies for procuring raw materials for craft production.

8

OR

“The most unique feature of the Harappan civilization was the development of urban centres.” Explain.

12. मुगल साम्राज्य में भूमि स्वामित्व के संदर्भ में बर्नियर के विवरणों की आलोचनात्मक परख कीजिए।

8

अथवा

चौदहवीं शताब्दी के शहरी केन्द्रों में जीवन शैली की सही जानकारी प्राप्त करने में इब्न बतूता का वृतांत इतिहासकारों के लिए किस प्रकार सहायक है? परख कीजिए।
Examine critically Bernier's accounts of land ownership in the Mughal empire.

8

OR

Examine how Ibn Battuta's account enables historians to reconstruct the urban life of the fourteenth century.

13. 1947 में भारत के विभाजन के लिए उत्तरदायी कारणों की परख कीजिए।

8

अथवा

भारतीय संविधान बनाते समय दलित जातियों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए विभिन्न लोगों द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों की परख कीजिए।
Examine the causes responsible for the partition of India in 1947.

8

OR

Examine the different arguments put forward by different people for safeguarding the rights of depressed castes while framing the Indian Constitution.

खण्ड घ

PART D

स्रोत आधारित प्रश्न

Source Based Questions

7×3=21

14. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

“हर तरह की गड़बड़ियों को नियंत्रित करने के लिए”

उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में अंग्रेजों को यह महसूस होने लगा कि सामाजिक जीवन के सभी आयामों को नियंत्रित करने के लिए स्थायी और सार्वजनिक नियम बनाना ज़रूरी है। यहाँ तक कि निजी इमारतों और सार्वजनिक सड़कों का निर्माण भी स्पष्ट रूप से संहिताबद्ध मानक नियमों के अनुसार होना आवश्यक था। वेल्लेज़ली ने कलकत्ता मिनट्स (1803) में लिखा था :

यह सरकार की बुनियादी ज़िम्मेदारी है कि वह इस विशाल शहर में सड़कों, नालियों, और जलमार्गों में सुधार की एक समग्र व्यवस्था बनाकर तथा मकानों व सार्वजनिक भवनों के निर्माण व प्रसार के बारे में स्थायी नियम बनाकर और हर तरह की गड़बड़ियों को नियंत्रित करने के स्थायी नियम बनाकर यहाँ के निवासियों को स्वास्थ्य, सुरक्षा और सुविधा उपलब्ध कराए।

- | | |
|--|---|
| (14.1) अंग्रेजों को सार्वजनिक नियम बनाने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई ? | 2 |
| (14.2) लॉर्ड वेल्लेज़ली की विदाई के बाद नगर नियोजन का काम किसने संभाला ? | 2 |
| (14.3) सरकार की बुनियादी ज़िम्मेदारी क्या थी ? | 3 |

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

“For the regulation of nuisances of every description”

By the early nineteenth century the British felt that permanent and public rules had to be formulated for regulating all aspects of social life. Even the construction of private buildings and public roads ought to conform to standardised rules that were clearly codified. In his Minute on Calcutta (1803) Wellesley wrote :

It is a primary duty of Government to provide for the health, safety and convenience of the inhabitants of this great town, by establishing a comprehensive system for the improvement of roads, streets, public drains, and water courses, and by fixing permanent

rules for the construction and distribution of the houses and public edifices, and for the regulation of nuisances of every description.

- (14.1) Why did the British feel concerned on framing rules for the public ?
- (14.2) Who carried out the work of town planning after the departure of Lord Wellesley ?
- (14.3) What was the primary duty of the government ?

15. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भिक्षुओं और भिक्षुनियों के लिए नियम

ये नियम *विनय पिटक* में मिलते हैं :

जब कोई भिक्षु एक नया कंबल या गलीचा बनाएगा तो उसे इसका प्रयोग कम-से-कम छः वर्षों तक करना पड़ेगा । यदि छः वर्ष से कम अवधि में वह बिना भिक्षुओं की अनुमति के एक नया कंबल या गलीचा बनवाता है, तो चाहे उसने अपने पुराने कंबल/गलीचे को छोड़ दिया हो या नहीं — नया कंबल या गलीचा उससे ले लिया जाएगा और इसके लिए उसे अपराध स्वीकरण करना होगा ।

यदि कोई भिक्षु किसी गृहस्थ के घर जाता है और उसे टिकिया या पके अनाज का भोजन दिया जाता है, तो यदि उसे इच्छा हो तो वह दो से तीन कटोरा भर ही स्वीकार कर सकता है । यदि वह इससे ज़्यादा स्वीकार करता है, तो उसे अपना 'अपराध' स्वीकार करना होगा । दो या तीन कटोरे पकवान स्वीकार करने के बाद उसे इन्हें अन्य भिक्षुओं के साथ बाँटना होगा । यही सम्यक आचरण है ।

यदि कोई भिक्षु जो संघ के किसी विहार में ठहरा हुआ है, प्रस्थान के पहले अपने द्वारा बिछाए गए या बिछवाए गए बिस्तरे को न ही समेटता है, न ही समेटवाता है, या यदि वह बिना विदाई लिए चला जाता है, तो उसे अपराध स्वीकरण करना होगा ।

- (15.1) भिक्षु और भिक्षुनी कौन थे ? 2
- (15.2) उनके लिए बनाए गए किन्हीं दो नियमों को स्पष्ट कीजिए । 2
- (15.3) 'बुद्ध संघ' में सभी भिक्षुओं और भिक्षुनियों का समान स्तर क्यों था ? 3

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

Rules for monks and nuns

These are some of the rules laid down in the *Vinaya Pitaka* :

When a new felt (blanket/rug) has been made by a *bhikkhu*, it is to be kept for (at least) six years. If after less than six years he should have another new felt (blanket/rug) made, regardless of whether or not he has disposed of the first, then — unless he has been authorised by the *bhikkhus* — it is to be forfeited and confessed.

In case a *bhikkhu* arriving at a family residence is presented with cakes or cooked grain-meal, he may accept two or three bowlfuls if he so desires. If he should accept more than that, it is to be confessed. Having accepted the two or three bowlfuls and having taken them from there, he is to share them among the *bhikkhus*. This is the proper course here.

Should any *bhikkhu*, having set out bedding in a lodging belonging to the *sangha* — or having had it set out — and then on departing neither put it away nor have it put away, or should he go without taking leave, it is to be confessed.

- (15.1) Who were the *bhikkhus* and *bhikkhunis* ?
- (15.2) Explain any two rules framed for them.
- (15.3) Why was the status of all the *bhikkhus* and *bhikkhunis* equal in the 'Buddha Sangha' ?

16. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अकबर के शासन में भूमि का वर्गीकरण

आइन में वर्गीकरण के मापदंड की निम्नलिखित सूची दी गई है :

अकबर बादशाह ने अपनी गहरी दूरदर्शिता के साथ ज़मीनों का वर्गीकरण किया और हरेक (वर्ग की ज़मीन) के लिए अलग-अलग राजस्व निर्धारित किया। *पोलज* वह ज़मीन है जिसमें एक के बाद एक हर फ़सल की सालाना खेती होती है और जिसे कभी खाली नहीं छोड़ा जाता है। *परौती* वह ज़मीन है जिस पर कुछ दिनों के लिए खेती रोक दी जाती है ताकि वह अपनी खोई ताक़त वापस पा सके। *चचर* वह ज़मीन है जो तीन या चार वर्षों तक खाली रहती है। *बंजर* वह ज़मीन है जिस पर पाँच या उससे ज़्यादा वर्षों से खेती नहीं की गई हो। पहले दो प्रकार की ज़मीन की तीन किस्में हैं, अच्छी, मध्यम और खराब। वे हर किस्म की ज़मीन के उत्पाद को जोड़ देते हैं, और इसका तीसरा हिस्सा मध्यम उत्पाद माना जाता है, जिसका एक-तिहाई हिस्सा शाही शुल्क माना जाता है।

- (16.1) पोलज और परौती भूमियों को स्पष्ट कीजिए। 2
- (16.2) चचर भूमि तीन से चार वर्षों तक खाली क्यों छोड़ दी जाती थी? 2
- (16.3) अकबर ने भूमि को विभिन्न वर्गों में क्यों वर्गीकृत किया था? 3

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

Classification of lands under Akbar

The following is a listing of criteria of classification excerpted from the *Ain* :

The Emperor Akbar in his profound sagacity classified the lands and fixed a different revenue to be paid by each. *Polaj* is land which is annually cultivated for each crop in succession and is never allowed to lie fallow. *Parauti* is land left out of cultivation for a time that it may recover its strength. *Chachar* is land that has lain fallow for three or four years. *Banjar* is land uncultivated for five years and more. Of the first two kinds of land, there are three classes, good, middling, and bad. They add together the produce of each sort, and the third of this represents the medium produce, one-third part of which is exacted as the Royal dues.

- (16.1) Explain Polaj and Parauti lands.
- (16.2) Why was Chachar land left uncultivated for three to four years?
- (16.3) Why did Akbar classify the land into different categories?

खण्ड ड
PART E

(मानचित्र प्रश्न / Map Question)

5×1=5

17. (17.1) भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 11 पर) पर निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइए तथा उनके नाम लिखिए : 1×2=2
- (क) अमृतसर — राष्ट्रीय आंदोलन का केन्द्र
(ख) अम्बर — मुग़लों के अधीन क्षेत्र
- (17.2) भारत के दिए गए उसी रेखा-मानचित्र पर, अशोक स्तम्भ के शिलालेखों से संबंधित तीन स्थानों को A, B और C से अंकित किया गया है। उन्हें पहचानिए तथा उनके सही नाम उनके समीप खींची गई रेखाओं पर लिखिए। 1×3=3
- (17.1) On the given political outline map of **India** (on Page 11), locate and label the following with appropriate symbols :
- (a) Amritsar — a centre of national movement
(b) Amber — a territory under Mughals
- (17.2) On the same outline map of **India**, three places related to the Ashokan Pillar inscriptions have been marked as A, B and C. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them.

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्र. सं. 17 के स्थान पर हैं :

Note : The following questions are for the **Visually Impaired Candidates only** in lieu of Q. No. 17 :

- (17.1) किसी एक राष्ट्रीय आंदोलन के केन्द्र का उल्लेख कीजिए।
(17.2) किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए जो मुग़लों के नियंत्रण में था।
(17.3) अशोक के शिलालेखों से सम्बन्धित किन्हीं तीन स्थानों का उल्लेख कीजिए। 1+1+3
- (17.1) Mention any one centre of national movement.
(17.2) Name any one territory which was under the control of Mughals.
(17.3) Mention any three places related to the Ashokan inscriptions.

